www.esamaad.com

समाद

मैथिली भाषा मे पहिल ई-पेपर

पटना, 17 सितंबर, 2010 • अंक-50 • वर्ष-3

राजद आ लोजपा संग-संग विधानसभा चुनाव लडबाक घोषणा केलक

बिहार कए भेटत बायोमेट्रिक कार्ड क ई-शक्ति

पटना । बिहार सरकार बायोमेट्रिक कार्ड ई-शक्ति कए जल्द पूरा राज्य मे लागू करबाक योजना बनौलक अछि। फिलहाल एहि कार्ड क ट्रायल पटना मे चलि रहल अछि। राज्य सरकार क मुताबिक एहि स मनरेगा योजना मे मौजूद भ्रष्टाचार पर लगाम कसबा मे मदद भेटत।

राज्य सरकार एकटा पदाधिकारी क कहब अछि, एहि कार्ड क परिणाम काफी नीक रहल अछि। एहिस हमरा सबकए मनरेगा मे भ्रष्टाचार पर रोक लगेबा मे काफी मदद भेटल अछि। हम एहि प्रयोग कए आब जल्द स जल्द पूरा राज्य मे लागू करए चाहैत छी। एकरा लेल हमर तैयारी सेहो काफी नीक अछि।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सेहो हाल मे इ कहने छलाह- इ कार्ड हमर सोच क नतीजा छी। हम मिशन क तौर पर एहि परियोजना कए लेने छी आ आइ एकरा कईटा राज्य अपना रहल अछि। आइ एहिस मनरेगा क तहत काज करनिहार लोक कए फायदा भ रहल अछि। एहि स मनरेगा मे होइवाला बंदरबांट पर रोक लागत। आब त हम एकर मदद स वित्तीय समावेश कए सेहो बढ़ावा द रहल छी।

गौरतलब अछि जे बीतल साल फरवरी मे राज्य मे पायलट परियोजना क रूप मे पटना जिला मे ई-शक्ति कार्ड क शुरुआत भेल छल। एहि काज मे राज्य सरकार सॉफ्टवेयर कंपनी ग्लोडाइन टेक्नोसर्व लिमिटेड स तकनीकी सहायता ल रहल अछि। कंपनी क अध्यक्ष आनंद सरनायक क कहब

अछि- हमरा लग मे एखन धरि ई-शक्ति कार्ड क लेल 40 लाख आवेदन आएल अछि। एखन धरि हम सब 3 लाख कार्ड बना चुकल छी। बाकी बचल कार्ड सेहो एहि वित्त वर्ष क पूरा होइत होइत बनि जाएत। हालांकि, इ एतबा आसान नहि छल। शुरुआत मे हमरा स एहि बारे मे कई तरह क गप कहल गेल, मुदा राज्य सरकार स पूरा सहयोग भेटल।

ओ कहला- बिहार क बाकी क 37टा जिला मे सेहो हम एहि कार्ड कए बनेबा लेल तैयार छी। इ कार्ड लोक प्रशासन मे गेम चेंजर क तरह अछि किया कि एहि स मनरेगा सन योजना मे पारदर्शिता कए बढ़ावा भेटत।

कंपनी कए राज्य सरकार क दिस स कार्ड बनेबा लेल आ ओकरा लेल तकनीकी मदद मुहैया करेबा लेल 284 करोड़ टका क ठेका देल गेल अछि। ओतहि किछु अधिकारीक कहब अछि जे राज्य मे विधानसभा चुनाव कए देखैत एकरा अगिला एक-दू मास मे लागू करि पाएब एकर उम्मीद नहि कए बराबर अछि। एकटा वरिष्ठ अधिकारी कहला- विधानसभा चुनाव मे बस आब गिनती क दिन बचल अछि। एहन मे बेसी उम्मीद करब बेमानी होएत।

विश्व बैंक बिहार कए देलक 22 करोड़ डॉलर

पटना । विश्व बैंक बिहार मे वर्ष 2008 मे कोशी मे आयल विनाशकारी बाढ़ प्रभावित इलाक क पुनर्निमाण क लेल 22 करोड़ डॉलर क ऋण (क्रेडिट) कए अपन स्वीकृति प्रदान करि देलक अछि।

बिहार सरकार कोशी बाढ़ रिकवरी परियोजना लगभग एक लाख मकान, 90 हजार पुल आ 290 किलोमीटर ग्रामीण सड़क क पुनर्निमाण क जरिये बाढ़ क दुष्परिणाम स उबरबाक लेल वित्त मुहैया कराउत।

एहि परियोजना क उद्देश्य आकस्मिकता निधि क व्यवस्था क जरिये बाढ़ प्रबंधन क्षमता कए मजबूत बनाकए आजीविका कए बहाल करब आ बिहार क आपातकालीन प्रतिक्रिया क्षमता मे सुधार करैत भावी जोखिम कए कम करब अछि। उक्त ऋण विश्व बैंक क ऋण मुहैया करेनिहार सहायक संस्था इंटरनेशनल डेवलपमेंट एसोसिएशन (आईडीए) द्वारा उपलब्ध कराउज जाएत, जे ब्याज मुक्त ऋण मुहैया करौत।

एहि ऋण क भुगतान दस वर्षों क ग्रेस अवधि क बाद 35 साल मे कैल जाएत। वर्ष 2008 मे आयल बाढ़ स बिहार क पांच जिला मे लगभग 33 लाख लोक प्रभावित भेल छथि। लगभग दस लाख लोक कए सुरक्षित स्थान पर ल पहुंचैल गेल छल। भारत मे विश्व बैंक क कंट्री डायरेक्टर रोबर्टो जाघा कहला जे विश्व बैंक आपदा पर कारगर प्रतिक्रिया व्यक्त करबा मे भारत सरकार क पिछला एक दशक स बेसी समय स बदद करि रहल अछि। हम पिछला साल क अपन अनुभव कए बिहार मे कैल जा रहल प्रयास मे इस्तेमाल करब।

विश्व बैंक कए दिसम्बर, 2009 मे सहायता क लेल आधिकारिक अनुरोध भेटल आ बैक एहि पर आपातकालिक कार्यप्रणाली क तहत विचार केलक अछि। विश्व बैंक क परियोजना कार्य प्रबंधक मंदाकिनी कॉल कहलथि जे बिहार सरकार क लेल मकान आ बुनियादी ढांचा क पुनर्निर्माण आ लोक क रोजी-रोटी क व्यवस्था करब बेहद जरूरी अछि।

हमर उद्देश्य सम्भावित भावी आपदा पर प्रतिक्रिया व्यक्त करबाक स्थानीय क्षमता क गठन करब अछि। प्रस्तावित परियोजना क पहिल चरण मे जोखिम आ एकर सम्भावना मे कमी करबा लेल बिहार सरकार क संग मिलकए अनेक क्षेत्र मे पैघ पैमाना पर काज करब शामिल अछि। अगिला चरण मे राज्य क आपदा प्रबंधन स सम्बन्धित दीर्घकालिक आवश्यकता कए पूरा करबा लेल सहायता क अधिक विस्तृत कार्यक्रम पर अमल कैल जाएत, जाहि स बाढ़ प्रबंधन कनेक्टिविटी आ कृषि उत्पादकता सेहो शामिल हाएत।

पटनाक मगध महिला कालेज में कार्यक्रम प्रस्तुत करैत तिजन बाई।

बिहार मे चमकत आओर बिजली

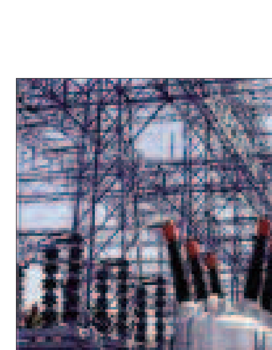

पटना । बिहार मे बिजली क बुनियादी ढांचा कए सुधारबा लेल राज्य सरकार आब अपन ट्रांसमिशन लाइंस क क्षमता मे इजाफा करबा मे जुटल अछि। राज्य सरकार एहि साल अपन ट्रांसमिशन आ डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क मे सुधार करबा लेल करीब 1900 करोड़ टका क मोट निवेश करबाक योजन बनेलक अछि। राज्य सरकार नव तकनीक क सहारा सेहो ल रहल अछि।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार क कहब अछि जे बिहार मे बीतल किछु साल मे बिजली क मांग तेजी स बढ़ल अछि। कारण अछि जे राज्य क तेज औद्योगिक विकास। हालांकि, बिजली क स्थिति संतोषजनक नहि अछि। बिहार मे बिजली क मांग क मुताबिक हमरा केंद्र स बिजली नहि भेट रहल अछि। एहि लेल हम नव बिजली घर क निर्माण करि रहल छी। तीन चारि साल मे हमरा लग मे मांग स बेसी बिजली भ सकैत अछि। तखन एकर ट्रांसमिशन क जरूरत सेहो बढ़त। एकरा लेल हम आइ स तैयारी करि रहल छी। हम एहि क्षेत्र मे हजार करोड़ टका क निवेश केलहु अछि। जून तक हमरा लग 7158 एमवीए क्षमता तैयार भ गेल अछि। मतलब हम एहि समय मे करीब 5700 मेगावॉट बिजली क ट्रांसमिशन आसानी स क सकैत छी। विद्युत विभाग क प्रधान सचिव रविकांत क कहब अछि जे बिहार मे आइ सेहो देश क मुकाबले बिजली क स्थिति काफी खराब अछि। हमरा लग मे देश क 8 फीसदी आबादी अछि, जखकि हमरा देश क कुल बिजली उत्पादन क केवल 0.44 फीसदी हिस्सा भेटैत अछि। देश मे जतय प्रति व्यक्ति बिजली क खपत 720 यूनिट प्रति वर्ष अछि, त बिहार मे इ सिर्फ100 यूनिट प्रति वर्ष अछि। एहि स्थिति मे सुधार अनबा लेल हम नव बिजली घर क निर्माण करि रहल छी। संगहि, बरौनी आओर कांटी क अपन पुरान बिजली घर क क्षमता मे इजाफा सेहो करि रहल छी। हालांकि, एकर संग-संग हमरा अपन ट्रांसमिशन आ डिस्ट्रीब्यूशन क्षमता मे सेहो इजाफा करए पड़त। ओ कहला जे एहि साल सरकार करीब 1900 करोड़ टका निवेश करत। एखन कुल मिलाकए 155 नव सब स्टेशन क निर्माण भ रहल अछि। रविकांत कहला जे- हम नव-नव तकनीक क इस्तेमाल करि रहल छी। मिसाल क तौर पर हम पटना मे सुपरवाइजरी कंट्रोल ऐंड डाटा एक्वीजिशन (स्काडा) क शुरुआत केलहु अछि। पटना देश क पहिल एहन शहर अछि, जतय एकरा लॉन्च कैल गेल अछि। एहि स हम अपन ग्रिड स्टेशन आओर सब स्टेशन पर हरदम निगरानी करि सकब।

खाद्य सुरक्षा मिशन मे बिहार अव्वल

पटना । राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन योजना क संचालन मे बिहार अव्वल रहल अछि। योजना क समीक्षा क लेल केन्द्रीय कृषि मंत्रालय मे भेल बैठक मे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन क लेल केन्द्रीय कृषि मंत्री शरद पवार बिहार क कृषि उत्पादन आयुक्त अशोक कुमार सिन्हा आओर कृषि निदेशक डॉ बी राजेन्दर कए पुरस्कार प्रदान केलथि। केन्द्र सरकार क दिस स शुरू भेल इ राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन योजना राज्य मे वर्ष 2007-8 स चलाउल जा रहल अछि। देश मे योजना क बेहतर क्रियान्वयन क लेल राज्य सरकार क कृषि विभाग कए पुरस्कृत कैल गेल अछि। योजना कए लागू भेला स सूबा मे गेहूं क पैदावार मे 30 प्रतिशत क वृद्धि भेल अछि। जे देश क अन्य राज्य क तुलना मे बेसी अछि। योजना क तहत किसान कए 3.60.000 क्विंटल गेहूं क बीज अनुदानित दर पर मुहैया कराउल गेल छल। उन्नत बीज किसान कए भेटला स प्रति हेक्टेयर उत्पादकता मे 17 प्रतिशत क वृद्धि रिकार्ड कैल गेल अछि। पूर्व मे राज्य मे गेहूं क प्रति हेक्टेयर उत्पादकता 1994 किलो छल जे आब बढ़िकए 2336 किलो भ गेल। राज्य मे गेहूं उत्पादन 27.9 लाख टन स बढ़िकए 36.21 लाख टन भ गेल अछि। मिशन योजना क तहत वर्ष 2009-10 क लेल केन्द्र सरकार स कुल 57.54 करोड़ टका भेटल छल। राज्य सरकार 52.60 करोड़ टकाक उपयोग केलक अछि। राज्य मे कृषि यंत्रीकरण योजना सेहो 100 प्रतिशत सफल रहल अछि। एहि योजना क तहत किसान कए अत्याधुनिक कृषि यंत्र अनुदान पर मुहैया कराउल गेल अछि।

वीर कुंवर सिंह सेतु पर परिचालन बंद

बक्सर । यूपी स बिहार कए जोड़निहार वीर कुंवर सिंह सेतु मरम्मत लेल बंद भ गेल। एहि पर स भारी वाहन क आवाजाही पर रोक लगा देल गेल अछि। कहल जा रहल अछि जे एहि सेतु क हिंज-बेयरिंग बदलल जा रहल अछि। एकर सूचना पुल निर्माण निगम जिला प्रशासन कए द देने छल। स्थानीय लोकक कहब अछि जे एहि पूल क निर्माण 1977 मे भेल छल। तीस साल स बेसी आयु पूरा करि चुकल एहि पुल मे आवाज आबि गेल छल। जखन, कोनो भारी वाहन गुजरैत छल त ओकर भार स हिंज बेयरिंग मे खिंचाव अबैत छल। जाहि स पाया कए नुकसान भ रहल छल। जेकरा देखैत पुल निर्माण निगम एकर मरम्मत क लेल आगू आयल अछि। मरम्मत क शुरूआत भ गेल अछि, जे पांच सितम्बर तक चलत। अगर एहि दौरान कार्य पूरा नहि भ सकल त एकर अवधि क विस्तार सेहो संभव अछि। ओनो आवागमन पूर्णत: ठप नहि हुए, एकर व्यवस्थ कैल गेल अछि आ छोट आ दू पहिया वाहन क परिचालन जारी रहत। एहि पुलक बंद भेला स गाजीपुर, वाराणसी, मउ, जौनपुर आदि जगह स होइवाला व्यवसाय पर असर पडत।

बीपी मंडल सेतु पर यातायात ठप

पटना । कोसी नदी पर बनल बीपी मंडल सेतु क दूटा पिलर धंसबा स कोसी क लाइफलाइन एनएच 107 पर यातायात ठप भ गेल अछि। खगड़िया जिला क कोसी नदी पर डुमरी घाट मे स्थित बीपी मंडल पुल क दूटा पिलर धंसि गेल अछि। लिहाजा एहतियात क तौर पर पुल पर वाहन क परिचालन बंद करि देल गेल अछि। एहि पुल पर यातायात ठप भ गेल अछि। 29 अगस्त कए पुल क पिलर धंसब शुरू भेल छल, जेकर मरम्मत क काज चलि रहल छल। आब एहि पुल क मरम्मत मे जुटल मजदूर काज रोकि देलक अछि। लिहाजा प्रशासन कए एकर मरम्मत क काज पूरा करबा मे मुश्किल आबि रहल अछि। बीपी मंडल सेतु क बंद भेला स पूरा कोसी इलाका क राजधानी पटना स संपर्क कटि गेल अछि। एनएच 107 जेकरा कोसी इलाका क लाइफ लाइन कहल जाइत अछि, इ राष्ट्रीय राजमार्ग महेशकूट स सहरसा होइत मधेपुरा तक जाइत अछि। खगड़िया क दूटा ब्लॉक चौथम आ बेलदौर, एहि स बेसी प्रभावित भ रहल अछि।

ÕÎÜÌ çÕãÚ· ÎçÜÌ ÕãÜ wwz »×· âÚÌ

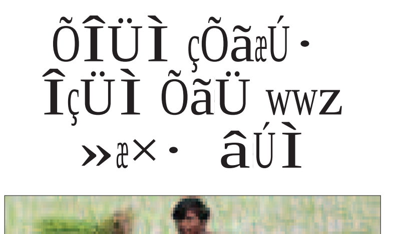

नई दिल्ली । बिहारक अल्पसंख्यक बहुल जिला मे बहुक्षेत्रीय विकास क बाद आब दलित बहुल गामक बारी अछि। अमूमन छोट-मोट सुविधा स सेहो महरूम दलित बहुल गाम मे आब बिजली जगमग करत। सड़क आ गली पक्का होएत। पीबा योग्य पाइन लेल पाइप लाइन बिछाएत। इतबे नहि, डाकखाना, स्वास्थ्य केंद्र आ जरूरत क लिहाज स स्कूल सेहो खुलत। एहन तमाम गाम कए इ सुविधा भेटत जतए 50 प्रतिशत स बेसी आबादी अनुसूचित जाति आ जनजाति क अछि।

प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना क पाइलॉट प्रोजेक्ट क तहत बिहारक कुल 225 गाम क चयन कैल गेल अछि। एहि गाम मे स्ट्रीट लाइट, सड़क, पेयजल, स्वास्थ्य केंद्र, स्कूल आओर सफाई आदि क लेल मार्च क अंत तक राज्य स प्रस्ताव मांगल गेल छल, मुदा आब एहि मास क अंत तक प्रस्ताव एबाक उम्मीद अछि। अगिला साल मार्च अंत तक इ सबटा काज पूरा हेबाक अछि। बाद मे बाकी बचल दलित बहुल गाम मे स ओहि गाम क चयन होएत, जाहि ठाम एहन सुविधा क संग आदर्श ग्राम बनाउल जाएत।

योजना क तहत प्रत्येक दलित बहुल गाम मे 20 लाख टका खर्च कैल जाएत। एहि मे स दस लाख केंद्र आओर बाकी दस लाख राज्य सरकार देत। एकर पाछु मुख्य मंशा केंद्र आओर राज्य क सहभागिता स एहि गाम क बहुक्षेत्रीय विकास करब अछि। सरकार अल्पसंख्यक बहुल जिला मे एहि तरह क बहुक्षेत्रीय विकास कार्यक्रम पहिने स चला रहल अछि। हालांकि ओहि जिला क अल्पसंख्यक बहुल हेबाक पैमाना ओहि ठाम 25 प्रतिशत स बेसी अल्पसंख्यक क होएब छल। जखकि अनुसूचित जाति बहुल गाम क मामला मे इ फार्मूला ओकर 50 प्रतिशत आबादी पर निर्भर अछि।

साक्षरता मामला मे बिहार चारिम स्थान पर

नई दिल्ली । देश मे चलि रहल साक्षरता अभियान मे बिहार स काफी बेहतर नतीजा आबि रहल अछि। गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश जइसन राज्य कए पाछु छोड़ैत बिहार चारिम स्थान पर पहुंच गेल अछि। एकरा लेल नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ़ ओपेन स्कूलिंग (एनआइओएस) आ प्रौढ़ शिक्षा निदेशालय 20 अगस्त कए 17टा राज्य मे शब्द आ अक्षर ज्ञान पर आधारित एकटा मूल्यांकन परीक्षा आयोजित केने छल। एहिमे शब्द आ अक्षर ज्ञान पर आधारित सवाल छल, परीक्षा मे 18 स 76 वर्ष आयु क छह लाख 64 हजार 24 लोक शामिल भेल छल। एखन धरि चारि लाख 11 हजार 17 छात्र क नतीजा आबि चुकल अछि, बिहार क नतीजा दू भाग मे आयल अछि। पटना (आद्री) क 87.7 प्रतिशत, जखनकि बिहार (दीपाया) क 82.52 प्रतिशत छात्र सफल रहल। छत्तीसगढ़ 94.03 प्रतिशत क संग पहिल आ हरियाणा 89.41 प्रतिशत क संग दोसर स्थान पर रहल। एहि मे खास गप इ सेहो रहल जे 76.59 प्रतिशत महिला सफल रहलीह जखनकि पुरुष क सफलता क प्रतिशत 75.22 रहल।

30 करोड़ डॉलर से बनत बिहार मे सडक

नई दिल्ली । एशियाई विकास बैंक (एडीबी) बिहार मे सड़क क विकास क लेल 30 करोड़ डॉलर क कर्ज मुहैया करौलक अछि। संगहि एडीबी बिहार आ महाराष्ट्र मे बागवानी उद्योग क आधुनिकीकरण क लेल सेहो 17 करोड़ डॉलर क कर्ज देलक अछि। एडीबी क निदेशक मंडल एहि दूनू योजना कए मंजूरी द देलक अछि। एडीबी बिहार राज्य राजमार्ग क दूटा परियोजना क लेल 30 करोड़ डॉलर क कर्ज देत। एहि परियोजना क तहत राज्य क 356 किलोमीटर राजमार्ग क उन्नयन कैल जाएत। एकरस लेल लक्षित राजमार्ग क उन्नयन करि दू लेन क कैल जाएत। नव डेनेज प्रणाली आओर पुल क निर्माण होएत। बैंक बिहार राज्य सड़क विकास निगम कए 10 लाख डॉलर क तकनीकी सहयोग सेहो मुहैया कराउत। एहि परियोजना क पूरा लागत 42. 4 करोड़ डॉलर अछि। एहि मे स ऋण क राशि 71 फ़ीसद होएत। बिहार सरकार 12. 4 करोड़ डॉलर क राशि उपलब्ध कराउत।

आईआईटी पटना संबंधित विधेयक संसद मे पेश

नई दिल्ली। आईआईटी पटना कए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) क दर्जा देबा लेल सरकार लोकसभा मे विधेयक पेश केलक अछि। एहि विधेयक मे ओना देश क आठटा नव आईआईटी कए प्रौद्योगिकी संस्थान कानून क दायरा मे अनबाक आ ओकरा राष्ट्रीय महत्व क संस्थान क रूप मे घोषित करबाक प्रावधान अछि। केंद्रीय मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री डी पुरंदेश्वरी प्रौद्योगिकी संस्थान (संशोधन) विधेयक 2010 सदन मे पेश केलथि। विधेयक क उद्देश्य आ कारण स संबंधित वक्तव्य क मुताबिक, सरकार क मंशा देश मे मौजूद प्रौद्योगिकी संस्थान क उन्नयन आओर नव संस्थान खोलिकए आईआईटी क स्तर क बेसी स बेसी संस्थान स्थापित करब अछि। एहि मंशा कए पूरा करबा लेल मौजूदा कानून मे संशोधन क जरूरत महसूस कैल गेल अछि। सरकार द्वारा गठित विशेषज्ञ एकटा समिति आईटी-बीएचयू सहित किछु अन्य संस्थान क उन्नयन क सिफारिश केने छल। समिति क सिफारिश क आधार पर 2008 मे सरकार एकरा आईआईटी मे परिवर्तित करबा लेल आ आठटा नव आईआईटी संस्थान खोलबाक घोषणा केने छल। एहि मे पटना (बिहार), मंडी (हिमाचल प्रदेश), रोपड़ (पंजाब), जोधपुर (राजस्थान), गांधीनगर (गुजरात), हैदराबाद (आंध्रप्रदेश), इंदौर (मध्यप्रदेश) आ भुवनेश्वर (उड़ीसा) मे खोलबाक योजना अछि।

आब यूपी मे सेहो लुटा रहल छथि बिहारी मजदूर

पटना । बिहारी मजदूर कए लूटबा मे आब उत्तरप्रदेश सेहो पाछु नहि अछि। नकली टिकट बताकए बिहारी मजदूर कए मुगलसराय स्टेशन क आधा दर्जन टीटीई आ आरपीएफक जवान दिनदहाड़े लूटि लेलथि। एक दर्जन बिहारी मजदूर क टिकट नकली करार द जबरन पाकेट स टका निकाली लेलथि। बिहारी मजदूर एर्नाकुलम एक्सप्रेस स पटना आबि रहल छलथि। बिहारी मजदूर मुगलसराय स्टेशन पर प्राथमिकी दर्ज करेबाक कोशिश केलथि मुदा हुनका ओहि ठाम पिटाई करि भगा देल गेल। संगहि जबरन एर्नाकुलम एक्सप्रेस स पटना क लेल विदा करि देल गेल। मजदूर सब पटना जंक्शन पहुंचला पर जीआरपी मे प्राथमिकी दर्ज करौलथि अछि। प्राथमिकी मे कहल गेल अछि जे बिहारी मजदूर सब चेन्नई क एकटा कपड़ा फैक्ट्री मे काज करैत छथि। घर लौटबाक दौरान मुगलसराय जंक्शन पर टीटी आ आरपीएफ क जवान जबरन हुनकर कुर्ता क पाकेट मे राखल टका निकाली लेलक। एहि प्रकार स मजदूर क टका कए टीटीई लूटि लेलक। मुजफ्फरपुर जिला क सरैया थाना क्षेत्र क बसौठा गाम क लालबाबू सहनी कहलथि जे टीटीई आ आरपीएफक जवान यूनिफार्म मे छल। ओ सब मजदूर कए पिटाइ सेहो केलक। बिहारी मजदूर मुजफ्फरपुर, अररिया आ पटना जिला क रहनिहार दथि। प्राथमिकीक आधार पर जखन पटना जीआरपी जखन हुनकर टिकट जांच केलक त सबटा टिकट सही पाउल गेल। मामला एक बेर फेर जीआरपी मुगलसराय क हवाले करि देल गेल अछि, जतय कार्रवाई केहन होएत एकर अंदाजा एहि बयान स निकली सकैत अछि जे बिहारी मजदूर कए साथ जो होता है सही होता है। इ कहब अछि थाना प्रभारीक जे एहि मामलाक जांच करताह।

âS·Ì· ×ãÚÍè Çæ. ÁØ×Ì ç×Ÿ Ùçã ÚãÜã

दरभंगा। राष्ट्रपति पुरस्कार स सम्मानित संस्कृत क उद्भट विद्वान आ कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय क पूर्व कुलपति महामहोपाध्याय आचार्य डॉ. जयमंत मिश्र क मंगलदिन पटना क एकटा निजी अस्पताल मे देहावसान भ गेलनहि । ओ 85 वर्ष क छलाह। दू दर्जन स बेसी ग्रंथ क रचयिता आ दर्जन भरि स बेसी ग्रंथ क संपादक डॉ. मिश्र आधुनिक संस्कृत-संसार क शिरो-मुकुट छलाह। मिथिला क संस्कृत-परंपरा क वर्तमान मे सशक्त कड़ी रहल डॉ. मिश्र अक्षर-उपसना क क्षेत्र मे अनेक कीर्त्तिमान स्थापित केने छलाह आ एकरा लेल विभिन्न पुरस्कार स अलंकृत भेल छलाह।

स्थानीय हनुमानगंज मिश्रटोला निवासी आचार्य डॉ. जयमंत मिश्र मधुबनी जिला क जन्म ढंगा हरिपुर गांव निवासी पं. सर्वनारायण मिश्र क घर पुत्र क रूप मे 15 अक्टूबर, 1925 कए भेल छल। डॉ. मिश्र अपन आजीविका क शुरुआत बिहार विश्वविद्यालय स व्याख्याता क रूप मे आरंभ केलथि आ ओतहि अध्यक्ष पद कए अलंकृत केलथि। सेवा काल मे कोलंबो आ नेपाल क त्रिभुवन विश्वविद्यालय स संबद्ध रहल डॉ. मिश्र कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय क कुलपति पद कए 1980 स 85 तक सुशोभित केलथि।

स्थानीय हनुमानगंज मिश्रटोला निवासी आचार्य डॉ. जयमंत मिश्र मधुबनी जिला क जन्म ढंगा हरिपुर गांव निवासी पं. सर्वनारायण मिश्र क घर पुत्र क रूप मे 15 अक्टूबर, 1925 कए भेल छल। डॉ. मिश्र अपन आजीविका क शुरुआत बिहार विश्वविद्यालय स व्याख्याता क रूप मे आरंभ केलथि आ ओतहि अध्यक्ष पद कए अलंकृत केलथि। सेवा काल मे कोलंबो आ नेपाल क त्रिभुवन विश्वविद्यालय स संबद्ध रहल डॉ. मिश्र कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय क कुलपति पद कए 1980 स 85 तक सुशोभित केलथि। वर्ष 1950 स लकए 2010 तक ओ संस्कृत, मैथिली आ हिन्दी मे 25 ग्रंथ संस्कृत व्याकरण सार, संस्कृत व्याकरणोदय, काव्यात्म-मीमांसा,पुष्प चिंतामणि, निबंध कुसुमांजलि, अभिलेख गीतमाला, मैथिली नाटक पर संस्कृतक प्रभाव, अलंकार प्रकाश, कविता कुसुमांजलि, प्रबंध कुसुमांजलि, महाकवि विद्यापति, काव्यविच्छित्त मीमांसा, आर्यापंचशती, संस्कृत बाडमय का वृहत इतिहास, संस्कृत बाडमय मे बिहार का योगदान, महामानव चंपू काव्य, भारतीय साहित्यक निर्माता सुरेंद्र झा सुमन, युगलश्री गीतिमालिका, श्रीकृष्णचंद्र चरित महाकाव्यम्, कालिंदी परिणय महाकाव्यम्, श्रीदेवयानी चरित महाकाव्यम्, मदालसाचरित महाकाव्यम्, ध्रुवचरित महाकाव्यम्, श्रीचौतन्य चरित महाकाव्यम् आ श्रीमद्भावगततामृतम् क रचना केलथि। एकर अलावा ओ 13टा पुस्तक शैवसर्वस्वसार, शैवसर्वस्वसार प्रमाणभूत पुराण संग्रह, विभागसार, लिखनावली, दानवाक्यावली, विभक्त्यर्थप्रकाशिका, अधिकरण-कौमुदी, लघुकथा संग्रह, मैथिली अभिलेख गीतमाला, भाषणमाला, पूजाकृत्यकौमुदी, पूजा प्रदीपरू आ भगवत्पादाद्यशंकराचार्य-पंचसहस्राब्दस्मृतिग्रंथ क संपादन सेहो केलथि। हुनकर अधीन करीब दू दर्जन अध्येता शोध केलथि आ ओ करीब सौ टा शोध निबंध लिखने छथि।

पंजाब क बाद आब नोएडा मे सेहो बिहारी मजदूर क संकट

उमा उत्पल झा

नई दिल्ली। पंजाब बिहारी मजदूरक कमी स परेशान अछि, त नवीन ओखला औद्योगिक विकास प्राधिकरण (नोएडा) क छोट आओर मझोले उपक्रम (एसएमई) सेहो पर्याप्त मात्रा मे बिहारी मजदूर नहि भेब्बा स परेशान भ गेल अछि। करीब 8000 इकाइवाला इ औद्योगिक क्षेत्र कए मजदूर नहि भेट रहल अछि। एहि कारण स कारोबार प्रभावित भ रहल अछि।

नोएडा इंटरप्रेन्योर एसोसिएशन क अध्यक्ष राकेश कत्याल एकटा अखबार स गप करैत कहला जे नोएडा क औद्योगिक इकाइ पहिने स पर्याप्त बिजली आओर नीक सड़क क अभाव झेल रहल अछि, एहन मे मजदूरक कमी मुश्किल आओर बढ़ा देलक अछि।

इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (आईआईए) नोएड़ा चौप्टर क अध्यक्ष एनके खरबंदा क कहब अछि जे नोएडा मे बिहार स मजदूर अबैत छल, मुदा आब बिहार मे मजदूर कए स्थानीय स्तर पर काज भेटए लागल अछि। खरबंदा कहैत छथि जे महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) मे काज आओर टका नीक भेटबा स मजदूर नोएडा स दूर होइत जा रहल छथि। एहि संबंध मे कत्याल क कहब अछि जे मजदूर क कमी क चलते मजदूरी मे सेहो इजाफा भेल अछि, तखनो मजदूर क भारी कमी अछि। अधिकतर कंपनीक गेट पर मजदूरक आवष्यकता संबंधी विज्ञापन टांगल अछि। कत्याल क मुताबिक दिल्ली मे राष्ट्रमंडल क कारण मजदूर क संकट आओर गहरा गेल अछि। संगहि बिहार मे खेती आ त्योहारक संग-संग चुनावक समय भेला स मजदूर कम आबि रहल छथि। खरबंदा कहला जे दिल्ली मे पसरल बीमारी क कारण सेहो इकाइ मे मजदूर क कमी बढ़ि गेल अछि।

मजदूर क कमी स कारोबार मे गिरावट आबि रहल अछि। कत्याल कहला जे मजदूर क भारी कमी क कारण औद्योगिक इकाइ मे उत्पादन घटि रहल अछि। हुनकर मुताबिक एहि मास उत्पादन मे 50 फीसदी तक क गिरावट देखल जा रहल अछि। उत्पादन घटबा स ऑर्डर पूरा करबा मे दिक्कत भ रहल अछि।

खरबंदा कहैत छथि जे बिहारी मजदूरक कमी आ कमीक कारण मजदूरक बढैत डिमांड स नोएडा क कारोबारी कए नुकसान भ रहल अछि।

सेवानिवृत्तक आयु बढल, 41टा शिक्षक क सेवा बहाल

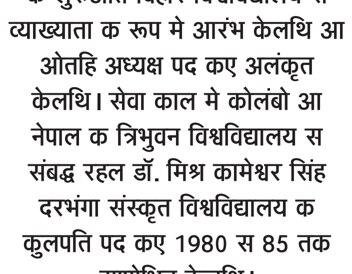

दरभंगा। लनामिथिला विश्वविद्यालय प्रशासन उच्च न्यायालय क न्यायादेश क आलोक मे 30 जून स 31 अगस्त, 2010 तक 62 वर्ष क उम्र सीमा पूरा करनिहार सेवानिवृत्त शिक्षक क सेवा 65 वर्ष तक क लेल बहाल करबाक अधिसूचना जारी करी देलक अछि जाहि स एहि विश्वविद्यालय क 41टा शिक्षक क सेवा एकबेर फेर बहाल भ गेल। एहि मे एकटा प्रधानाचार्य आओर चारिटा विभागाध्यक्ष सेहो शामिल छथि। जारी अधिसूचना मे कहल गेल अछि जे इ निर्णय न्यायादेश क अगिला आदेश तक प्रभावी रहत।

चिह्नित होगा आवंटित आवास

लनामिवि क कुलपति डॉ एसपी सिंह क अध्यक्षता मे शनिदिन आवास आवंटन समिति क बैठक भेल। एहि बैठक मे विवि क आवास क वर्गीकृत करि चिह्नित करबा समेत कईटा निर्णय लेल गेल।

अनुदान को प्रस्ताव भेजने का निर्देश

यूजीसी टू एफ मे पंजीकृत कॉलेज स वन टाइम अनुदान क लेल प्रस्ताव मांगल गेल अछि। इ प्रस्ताव (विश्वविद्यालय) आओर राज्य सरकार क माध्यम स प्रेषित कैल जेबाक अछि। एकर अंतिम तिथि 30 जून, 2011 निर्धारित अछि। लनामिवि क अधीन संचालित महात्मा गांधी कॉलेज, लोहिया चरण सिंह महाविद्यालय, देव नारायण यादव कॉलेज आ बहेड़ा कॉलेज टू एफ मे यूजीसी स पंजीकृत अछि।

आठ विवि प्रतिनिधि नियुक्त

लनामिवि प्रशासन आठटा कॉलेज क समिति/भवन कमेटी मे विश्वविद्यालय प्रतिनिधि नियुक्त करि देलक अछि। जारी अधिसूचना क मुताबिक डॉ अनिल शंकर मिश्र कए आरसीएस कॉलेज, विरेंद्र कुमार सिंह कए बीएमए कॉलेज, एसएन चौधरी कए आरबी कॉलेज, मनोज कुमार झा कए केवीएस कॉलेज, अनिल कुमार झा कए सीएम लॉ कॉलेज, एके झा कए सीएम कॉलेज, वाईएन सिंह कए एपीएसएम कॉलेज आ डॉ एके पांडेय कए केएस कॉलेज मे विवि प्रतिनिधि नियुक्त कैल गेल अछि।

छात्रावास आवंटित करबाक निर्णय

लनामिवि क कुलपति डॉ एसपी सिंह क अध्यक्षता मे स्नातकोत्तर छात्रावास आवंटन समिति क बैठक भेल। छात्र कल्याण अध्यक्ष डॉ विजय प्रसाद सिंह कहला जे बैठक मे छात्रावास मे अवैध आ अनधिकृत कब्जा पर चिंता व्यक्त करैत निर्णय लेल गेल जे अगर आवश्यकता पड़ल त जिला प्रशासन क सहयोग स ओकरा खाली कराउल जाएत। एकर संगहि कोशी, गंडक आ कमला छात्रावास मे नामांकन क लेल प्राप्त सबटा आवेदक कए आवास आवंटित करबाक निर्णय लेल गेल।

समन्वयक पद पर नियुक्ति क लेल साक्षात्कार

लनामिवि राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई क समन्वयक पद पर नियुक्त क लेल शनिदिन साक्षात्कार भेल। एहि मे समन्वयक क पद पर अस्थायी कार्यरत डॉ आरएन चौरसिया, डॉ नरेंद्र कुमार झा, डॉ अनिल कुमार झा, डॉ अशोक कुमार झा समेत करीब आधा दर्जन आवेदक भाग लेलथि।

बिहार विधानसभा चुनाव क कार्यक्रम

छह चरण मे होइवाला बिहार विधानसभा चुनाव क कार्यक्रम

पहिल चरण 47 सीट
अधिसूचना जारी करबाक तिथि 27 सितम्बर
नामांकन भरबा क अंतिम तिथि 4 अक्तूबर
नामांकन पत्र क जांच 5 अक्तूबर
नामांकन वापस लेबसक अंतिम तिथि 7 अक्तूबर
मतदान 21 अक्तूबर

दोसर चरण 45 सीट
अधिसूचना जारी करबाक तिथि 29 सितम्बर
नामांकन भरबसक अंतिम तिथि 6 अक्तूबर
नामांकन पत्र क जांच 7 अक्तूबर
नामांकन वापस लेबाक अंतिम तिथि 9 अक्तूबर
मतदान 24 अक्तूबर

तेसर चरण 48 सीट
अधिसूचना जारी करबाक तिथि 4 अक्तूबर
नामांकन भरबाक अंतिम तिथि 11 अक्तूबर
नामांकन पत्र क जांच 12 अक्तूबर
नामांकन वापस लेबाक अंतिम तिथि 14 अक्तूबर
मतदान 28 अक्तूबर

चारिम चरण 42 सीट
अधिसूचना जारी करबाक तिथि 7 अक्तूबर
नामांकन भरबाक अंतिम तिथि 14 अक्तूबर
नामांकन पत्र क जांच 15 अक्तूबर
नामांकन वापस लेबाक अंतिम तिथि 18 अक्तूबर
मतदान एक नवम्बर

पांचम चरण 35 सीट
अधिसूचना जारी करबाक तिथि 15 अक्तूबर
नामांकन भरबाक अंतिम तिथि 22 अक्तूबर
नामांकन पत्र क जांच 23 अक्तूबर
नामांकन वापस लेबाक अंतिम तिथि 25 अक्तूबर
मतदान 9 नवम्बर

छठम चरण कुल सीट 26
अधिसूचना जारी करबसक तिथि 27 अक्तूबर
नामांकन भरबाक अंतिम तिथि 3 नवम्बर
नामांकन पत्र क जांच 4 नवम्बर
नामांकन वापस लेबाक अंतिम तिथि 6 नवम्बर
मतदान 20 नवम्बर

सबटा सीट क लेल मतगणना 24 नवम्बर कए होएत चुनाव क सबटा प्रक्रिया 26 नवम्बर तक पूरा करि लेल जाएत।

बिहार विधानसभा चुनाव मे चरणवार निर्वाचन क्षेत्र

21 अक्टूबर कए पहिल चरण मे 47टा सीट पर मतदान होएत
हरलाखी, बेनीपट्टी, खजौली, बाबुबरही, बिस्फी, मधुबनी, राजनगर (अनुसूचित जाति), झंझारपुर, फुलपरास, लौकहा, निर्मली, पिपरा, सुपौल, त्रिवेणीगंज (अनुसूचित जाति), छातापुर, नरपटगंज, रानीगंज (अनुसूचित जाति), फॉरबिसगंज, अररिया, जोकीहाट, सिकटी, बहादुरगंज, ठाकुरगंज, किशनगंज, कोचाधमन, अमौर, बैसी, कासबा, बनमनखी (अनुसूचित जाति), रूपौली,धमदाहा, पूर्णिया, कटिहार, कदवा,बलरामपुर,प्राणपुर,मनीहारी (अनुसूचित जनजाति),बरारी,कोरहा (अनुसूचित जाति), आलमनगर, बिहारीगंज, सिंहेश्वर (अनुसूचित जाति),मधेपुरा,सोनबरसा (अनुसूचित जाति), सहरसा, सिमरी बख्तियारपुर,महिसी।

24 अक्टूबर कए दोसर चरण मे 45टा सीट पर मतदान होएत
शिवहर,रीगा,बथनाहा (अनुसूचित जाति),परिहार, सुरसंड, बाजपट्टी, सीतामढी, रून्नीसैदपुर, बेलसंड, कुशेश्वर स्थान (अनुसूचित जाति), गौरा बौराम, बेनीपुर, अलीनगर, दरभंगा ग्रामीण, दरभंगा, हायाघाट,बहादुरपुर, केवटी, जाले, गायघाट,औराई, बोचहां (अनुसूचित जाति), सकरा (अनुसूचित जाति), कुढनी, मुजफ्फरपुर, कांटी, बरूराज, कल्याणपुर (अनुसूचित जाति), वारिसनगर, समस्तीपुर, उजियारपुर,मोरवा, सराईरंजन, मोइउद्दीननगर, विभूतिपुर, रोसड़ा (अनुसूचित जाति),हसनपुर,नरकटिया, पिपरा, मधुबन, चिड़ैया, ढाका, मीनापुर,पारू, साहबगंज।

28 अक्टूबर कए तेसर चरण मे 48टा सीट पर मतदान होएत
नरकटियागंज,बाघा, लौरिया, नौटन, चनपटिया, बेतिया, सिकटा, रक्सौल, सुगौली, हरसिद्धी (अनुसूचित जाति), गोविंदगंज, केसरिया, कल्याणपुर, मोतिहारी, बैकुंठपुर, बरौली, गोपालगंज, कुचईकोट, भोरे (अनुसूचित जाति), हथुआ, सिवान, जीरादेई, दरौली (अनुसूचित जाति), रघुनाथपुर, दरौंधा, बरहरिया, गोरियाकोठी, महाराजगंज, एकमा, मांझी, बनियापुर,तरैया, मरहौरा, छपरा, गरखा (अनुसूचित जाति), अमनौर, परसा, सोनपुर, हाजीपुर, लालगंज, वैशाली, महुआ, राजा पाकड़ (अनुसूचित जाति), महनार, बाल्मिकीनगर, रामनगर (अनुसूचित जाति), राघोपुर, पातेपुर (अनुसूचित जाति)।

एक नवंबर कए चारिम चरण मे 42टा सीट पर मतदान होएत
चेरिया बरियारपुर, बछवाड़ा, तेघरा, मतिहनी, साहेबपुर कमल, बेगूसराय, बखरी (अनुसूचित जाति), खगड़िया, बेल्दौर, परबट्टा, लखीसराय, मुंगेर, भीहपुर, गोपालपुर, पीरपैंती (अनुसूचित जाति), कहलगांव, भागलपुर, सुल्तानगंज, नाथनगर, मोकामा, बाढ, बख्तियारपुर, दीघा, बांकीपुर, कुम्हरार, पटना साहिब, फतुहा, दानापुर, मनेर, अमरपुर, घौरैया (अनुसूचित जाति), बांका, अलौली (अनुसूचित जाति), सूर्यगढा, तारापुर, जमालपुर, कटोरिया (अनुसूचित जनजाति), बेल्हर, सिंकदरा (अनुसूचित जाति), जमूई, झाझा, चकाई।

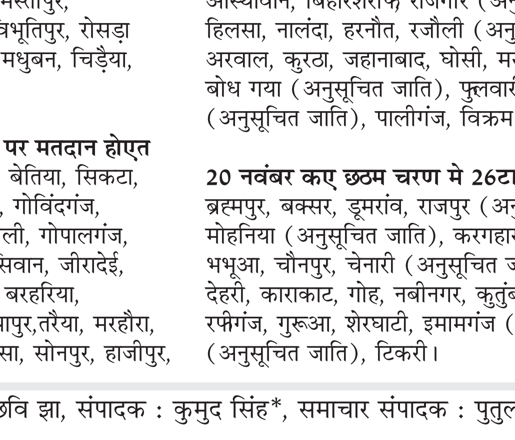

नौ नवंबर कए पांचम चरण मे 35टा सीट पर मतदान होएत
संदेश, बरहरा, आरा, अगिआव (अनुसूचित जाति), तरारी, जगदीशपुर, शाहपुर, हिसुआ, नवादा, वारसलीगंज, गया शहर, बेलागंज, अटरी, वजीरगंज, शेखपुरा, बरबीघा, आस्थावान, बिहारशरीफ राजगीर (अनुसूचित जाति), इस्लामपुर, हिलसा, नालंदा, हरनौत, रजौली (अनुसूचित जाति), गोविंदपुर, अरवाल, कुरठा, जहानाबाद, घोसी, मखदुमपुर (अनुसूचित जाति), बोध गया (अनुसूचित जाति), फुलवारी (अनुसूचित जाति), मसौढी (अनुसूचित जाति), पालीगंज, विक्रम।

20 नवंबर कए छठम चरण मे 26टा सीट पर मतदान होएत
ब्रह्मपुर, बक्सर, डूमरांव, राजपुर (अनुसूचित जाति), रामगढ़, मोहनिया (अनुसूचित जाति), करगहार, नोखा, आघ्बरा, औरंगाबाद, भभूआ, चौनपुर, चेनारी (अनुसूचित जाति), सासाराम, दीनारा, देहरी, काराकाट, गोह, नबीनगर, कुतुंबा (अनुसूचित जाति), रफीगंज, गुरूआ, शेरघाटी, इमामगंज (अनुसूचित जाति), बाराचट्टी (अनुसूचित जाति), टिकरी।

अंक- 50, साल-3, समाद प्रकाशन क लेल esamaad.com स इंटरनेट संस्करण प्रकाशित। प्रबंधक : छवि झा, संपादक : कुमुद सिंह*, समाचार संपादक : पुतुल सिंह। (*खबरक चयन लेल जिम्मेदार)। फोन : 011-22484593, 09250281098, ई-मेल : esamaad@gmail.com